www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 110 नागपुर, शुक्रवार, 17 मार्च 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

पेरिस में लेटर बम फटा, स्कूल में भी फायरिंग से कई घायल

पेरिस

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पेरिस कार्यालय में गुरुवार को एक पार्सल में धमाका हो गया। घटना में पार्सल खोलने वाला शख्स घायल हो गया। पेरिस पुलिस विभाग ने कहा कि धमाके के बाद आईएमएफ और विश्व बैंक के कार्यालय में तलाशी अभियान छेड़ा गया है। एक और घटना में दक्षिणी फ्रांस के एक हाई स्कूल में फायरिंग से कई लोग घायल हो गए हैं। यह घटना ग्रास के एक कस्बे में घटी। पुलिस के सूत्र ने बताया कि एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक व्यक्ति भाग गया है।

पेरिस में पिछले दो साल में आतंकी हमलों के बीच यह घटना सामने आई है। देश में डेढ़ माह बाद राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। एक दिन पहले ही जर्मनी के वित्त मंत्रालय के डाक कार्यालय में भी विस्फोटक पदार्थ युक्त एक पत्र मिला था। उसकी जिम्मेदारी यूनान के आतंकी समूह कांस्पिरेसी ऑफ फायर सेल्स ने ली थी। जर्मनी विदेश मंत्री वोल्फगैं चॉयबल के नाम यह पार्सल भेजा गया था।

एनआईए करेगी भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन धमाके की जांच

भोपाल

आतंकवादी संगठन आईएस की विचारधारा से प्रभावित तीन युवकों द्वारा भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन में सात मार्च को किये गए धमाके की जांच का जिम्मा राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपने हाथ में ले लिया है।

शाजापुर जिले में जबड़ी रेलवे स्टेशन पर भोपाल से उज्जैन जा रही पैसेंजर ट्रेन के जनरल कोच में किये गये इस धमाके में 10 यात्री घायल हो गये थे। एक पुलिस अधिकारी ने यहां बताया, मध्यप्रदेश एटीएस ने इस मामले की जांच से संबंधित दस्तावेज के साथ-साथ केस डायरी एनआईए को सौंप दी। एनआईए की टीम दिल्ली से यहां आई और इस मामले की जांच का जिम्मा लेने के बाद यह दल इस मामले में गिरफ्तार किये गये उत्तरप्रदेश के तीन आरोपियों मोहम्मद दानिश एवं मोहम्मद आतीफ वं सैयद मीर हुसैन से पूछताछ करेगा।

धमाके के कुछ घंटों बाद हुई थी गिरफ्तारी

दानिश एवं आतीफ कानपुर के निवासी हैं, जबकि सैयद कन्नौज का रहने वाला है और इन तीनों युवकों को मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के पिपरिया से धमाके के कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

उनके द्वारा विस्फोट किया गया बम पाइप बम था और घटनास्थल पर मिले अवशेष जीआई पाइप पर आईएसआईएस नाउ इन इंडिया लिखा हुआ था। तीनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस को बताया था कि वे आतंकवादी संगठन आईएसआईएस की विचारधारा से प्रभावित थे और उन्होंने बम बनाने की कला एक उग्रवादी संगठन की ऑनलाइन मैग्जीन इंस्पायर से सीखी थी। इसके अलावा, वे इंटरनेट पर आईएस का साहित्य भी पढ़ते थे। भोपाल की एक अदालत ने नौ मार्च को इन तीनों आरोपियों को 23 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेजा था।

दूसरी बार पंजाब के 'कैप्टन' बने अमरिंदर सिंह, सिद्धू भी बने कैबिनेट मंत्री

चंडीगढ़

कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दिलाने के बाद अमरिंदर सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 75 वर्षीय अमरिंदर को राज्य के 26वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। उनके साथ नवजोत सिंह सिद्धू समेत नौ मंत्रियों ने भी शपथ ली।

नवजोत सिंह सिद्धू समेत नौ मंत्रियों ने भी शपथ ली

इस प्रकार की अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्रिकेटर से नेता बने सिद्धू को उप मुख्यमंत्री का पदभार सौंपा जाएगा, लेकिन शपथ ग्रहण करने वाले नौ मंत्रियों की सूची में वह तीसरे क्रम पर थे। इस समारोह में दो राज्य मंत्रियों को शपथ ग्रहण कराई। दोनों राज्य मंत्री महिलाएं हैं। इस समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी समेत कई हस्तियों ने

शिरकत की। समारोह यहां राजभवन में आयोजित किया गया और राज्यपाल वी पी सिंह बदनौर ने शपथ ग्रहण कराई। सिद्धू के अलावा ब्रह्म महिंद्रा, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के भतीजे मनप्रीत सिंह बादल, साधु सिंह धरमसोत, तृप्त राजेंद्र सिंह बाजवा, राणा गुरजीत सिंह सोढी और चरणजीत सिंह चन्नी ने शपथ ग्रहण की।

दो महिला विधायकों ने भी ली शपथ

दो महिला विधायकों अरुणा चौधरी और रजिया सुल्ताना को राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ग्रहण कराई गई। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि राज्य कैबिनेट का विस्तार बाद में किया जाएगा। राज्य में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। कांग्रेस के विधानसभा में 77 विधायक हैं। अमरिंदर ने घोषणा की थी कि राज्य में वित्तीय संकट को देखते हुए शपथ ग्रहण समारोह सादा रहेगा। अमरिंदर दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। ■ शेष पृष्ठ 2 पर

मोदी ने दी अमरिंदर को शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरिंदर सिंह को पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर बधाई दी और उन्हें राज्य के विकास के लिए काम करने के लिए शुभकामनाएं दीं। राज्य में अधिकतम 18 मंत्री बनाये जा सकते हैं। विधानसभा में कांग्रेस के 77 विधायक हैं।

भाजपा ने खींचा 2019 लोस चुनाव की रणनीति का खाका

नई दिल्ली

भाजपा संसदीय दल की बैठक में गुरुवार को पार्टी के शीर्ष नेताओं ने 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति का खाका खींचा, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा नेताओं से युवाओं को जोड़ने और उनके बीच पैठ बनाने को कहा। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद 2019 में आसन्न लोकसभा चुनाव पार्टी के लिए अगली बड़ी चुनौती हैं।

उत्तरप्रदेश समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद गुरुवार को पार्टी संसदीय दल की बैठक में पार्टी की जीत के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया और आगे की रणनीति का खाका पेश किया गया।

पार्टी ने दलितों तक पहुंच बनाने की कोशिश को जारी रखने पर जोर दिया जिनके बारे में माना जा रहा है कि उन्होंने उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में काफी संख्या में भाजपा को वोट दिया है।

अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम की योजना

भाजपा ने तय किया है कि 14 अप्रैल को डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के मौके पर वह सप्ताह भर तक विभिन्न कार्यक्रम एवं समारोहों का आयोजन करेगी। पार्टी प्रत्येक पंचायत और वार्ड में एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित करेगी। वह छह अप्रैल को अपना स्थापना दिवस व्यापक रूप से मनायेगी, जिसमें पार्टी के नेता और कार्यकता स्वच्छ भारत अभियान में हिस्सा भी लेंगे।

संसदीय दल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि बैठक के दौरान मोदी ने पार्टी नेताओं से एक सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान भीम एप्प और डिजिटल भुगतान माध्यम के उपयोग को गति प्रदान करने तथा लोगों में इसके प्रति जागरूकता फैलाने एवं इन्हें डाउलोड करने में मदद करने को कहा।

पार्टी नेताओं से अंबेडकर के कार्यों एवं उनके योगदान का प्रचार प्रसार करने को भी कहा गया।

युवाओं को जोड़ने पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को केंद्र सरकार की लोक कल्याण योजनाओं एवं सुशासन का एंबेसेडर बनाना चाहिए। ■ शेष पृष्ठ 2 पर

विदेश मंत्री सुषमा का राज्यसभा में गर्मजोशी से स्वागत

नई दिल्ली

स्वास्थ्य कारणों से लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के बाद राज्यसभा में गुरुवार को विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की वापसी पर सदस्यों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया।

शून्यकाल के दौरान पहली पंक्ति में सुषमा स्वराज को देखते ही उनके स्वागत में राज्यसभा के सदस्यों ने डेस्क

को थपथपाना शुरू कर दिया और यह तब तक जारी रहा जब तक उन्होंने इसे हाथ जोड़कर स्वीकार नहीं किया। 65 वर्षीय स्वराज का अभिवादन करते हुए डिप्टी चेयरमैन पीजे कुरियन ने उनके स्वस्थ व लंबे जीवन की कामना की। उन्होंने कहा, स्वस्थ सुषमा को देख हम सब खुश हैं। सुषमा स्वराज ने इन बधाइयों को स्वीकार किया। टी. सुब्बारामी रेड्डी द्वारा उठाए गए अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ हेट क्राइम मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा इसपर विस्तृत बातचीत करनी होगी।

असम में आइएस के दो संदिग्ध गिरफ्तार

इंफाल

असम राइफल्स ने इस्लामिक स्टेट (आइएस) के दो संदिग्ध आतंकियों को मणिपुर के सीमावर्ती कस्बे से गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार यह गिरफ्तारी विगत 14 मार्च को खुदेंगथाबी के सीमावर्ती चेकपोस्ट पर ट्रांस एशियन हाइवे नंबर एक पर हुई। यह दोनों संदिग्ध तब सीमावर्ती कस्बे मोरेह से इंफाल की ओर जा रहे थे। इन दोनों आइएस आतंकियों की पहचान नाजिर मुहम्मद और अबू बाकिर के रूप में हुई है।

नेपाल के डिप्टी पीएम बिमलेन्द्र निधि से मिले गृहमंत्री राजनाथ

नई दिल्ली

नेपाल के उप-प्रधानमंत्री बिमलेन्द्र निधि ने गुरुवार को गृहमंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर भारत-नेपाल सीमा पर हाल में हुए टकराव के बाद बनी स्थिति पर चर्चा की। राजनाथ ने भारत-नेपाल सीमा के पास उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक एक नेपाली युवक की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।

गृहमंत्री ने कहा कि भारत पूरी घटना की निष्पक्ष जांच करायी जाएगी और इस मामले में सच्चाई का पता लगाने के लिए नेपाल के उनके समकक्षीय भी शामिल उसमें रहेंगे। राजनाथ ने आगे कहा कि अगर कोई घटना होती है यहां तक कि कोई बात अनजाने में भी होती है फिर भी उसे दोनों देशों के प्रतिनिधियों की ओर से संयुक्त निरीक्षण और जांच के जरिए निपटाया जाना चाहिए। राजनाथ ने कहा कि सीमा पर दोनों देशों की तरफ से रक्षा करते जवान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और नेपाल के आर्म्ड पुलिस फोर्स (पीएएफ) के बीच नियमित तौर पर बैठक होनी चाहिए। राजनाथ ने बिमलेन्द्र निधि जो कि नेपाल के गृहमंत्री भी हैं उनसे कहा कि दोनों ही देशों के बीच सुरक्षा और सीमा सहयोग समेत सभी क्षेत्रों में दोस्ताना और पारिवारिक संबंध है।

पर्रिकर ने पास किया गोवा फ्लोर टेस्ट, बोले- कांग्रेस के पास नहीं थे नंबर

पणजी

मनोहर पर्रिकर के नेतृत्व में गोवा की बीजेपी गठबंधन सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया है। बीजेपी गठबंधन के समर्थन में 22 और विपक्ष में 16 मत पड़े हैं। पणजी से बीजेपी विधायक सिद्धार्थ को फ्लोर टेस्ट के लिए गोवा विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया था। इस वोटिंग के दौरान कांग्रेस नेता विश्वजीत राणे ने वॉक आउट किया।

शक्ति परीक्षण के बाद गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर ने कहा कि उनके साथ 23 विधायक हैं और 22 ने मतदान उनके पक्ष में किया। उन्होंने कहा कि एक स्पीकर भी हमारी ओर से था, जिन्होंने वोट नहीं किया। मनोहर पर्रिकर ने कहा कि हमने किसी विधायक को किसी होटल में नहीं रखा किसी रिजॉर्ट में नहीं रखा। सभी ने अपनी मर्जी से मत दिया है।

उन्होंने कहा कि हमने भारत के लोगों से पहले साबित कर दिया है, हमें 23 विधायकों का समर्थन मिला है और हमने इसे फ्लोर पर साबित

कर दिया है। दिग्विजय का दावा था कि उनके पास संख्या बल है और उनके पास शुरुआत से नंबर नहीं थे। डिप्टी सीएम के सवाल पर पर्रिकर ने कहा कि यह गठबंधन की सरकार है और ऐसा कोई भी फैसला गठबंधन लेगा।

विधायकों द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने के बाद विश्वास मत पेश किया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद विधानसभा में शक्ति परीक्षण हुआ। जब अस्थाई अध्यक्ष सिद्धार्थ कुनकोलिएंकर ने सदस्यों को अपनी सीटों पर खड़े होने को कहा तो विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता प्रताप सिंह राणे ने सदन में मौजूद विधायकों की संख्या गिने जाने की मांग कर दी। हालांकि अध्यक्ष ने उनकी मांग पर ध्यान दिये बगैर कार्यवाही आगे बढ़ा दी और सरकार ने 16 के मुकाबले 22 वोटों से विश्वास मत हासिल कर लिया।

इसके बाद में मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर ने प्रेस कांफ्रेंस में सरकार को समर्थन देने के लिए सभी गठबंधन सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। हालांकि उन्होंने कांग्रेस के विश्वजीत राणे के बारे में यह कहते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि उन्हें दूसरी पार्टी के विधायक के बारे में कुछ नहीं कहना है मंगलवार शाम को नौ मंत्रियों के साथ शपथ लेने वाले पर्रिकर के पास 22 विधायकों का समर्थन पहले से था जो 40 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के जादुई आंकड़े 21 से एक अधिक है। रक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने वाले और चौथी बार गोवा के मुख्यमंत्री बनने के लिए घर वापसी करने वाले 61 वर्षीय पर्रिकर को गठबंधन के सहयोगियों गोवा फारवर्ड पार्टी (जीएफपी), महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) और निर्दलियों के समर्थन हासिल है। ■ शेष पृष्ठ 2 पर

भाजपा नेताओं को मोदी संदेश- न बैठूंगा, न बैठने दूंगा

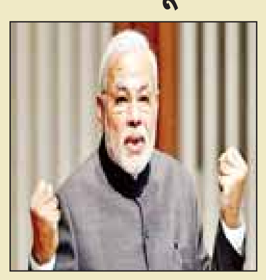

नई दिल्ली

उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड में मिले ऐतिहासिक बहुमत और चार राज्यों में सरकार गठन से उत्साहित भाजपा नेताओं को जश्न में डूबने की बजाय 2019 की तैयारियों में जुटने का ऐलान कर दिया गया है। चुनाव नतीजों के बाद पहली संसदीय दल की बैठक में ही प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि न बैठूंगा और न बैठने दूंगा। इस बीच यह कोशिश जरूर होगी कि इस जीत को बाबा अंबेडकर की याद में समर्पित किया जाए। भाजपा के स्थापना दिवस से लेकर बाबा अंबेडकर की जन्मतिथि 14 अप्रैल तक पंचायत से लेकर वार्ड तक में कार्यक्रम आयोजित होंगे और हर किसी को पूरा तीन दिन पार्टी के विस्तार में जुटना होगा। ध्यान युवाओं पर होगा और उन्हें ब्रांड अंबेसडर बनाने की कोशिश होगी। हाल के उत्तर प्रदेश चुनाव में जातियों का खेमा टूटा और बड़ी संख्या दलितों व पिछड़ों ने भाजपा का साथ दिया है। पार्टी भी पूरी तरह खुद को इससे जोड़ने में लगी है। पिछले कुछ वर्षों में भाजपा बढ़ चढ़ कर बाबा अंबेडकर के योगदान को याद भी करती है और उसे संवारती भी रही है। इसी क्रम में जीत का जश्न और कार्यक्रम भी अंबेडकर से जुड़ेगा। संसदीय दल की बैठक में इसकी घोषणा हो गई। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने 2019 के चुनाव की याद भी दिला दी और कहा कि अब पिछली बार से भी बड़ी जीत हासिल करनी है। जनता हमारे साथ है। हमें उनके पास पहुंचना है। प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधन में कहा कि 26 मई को सरकार के तीन साल हो रहे हैं। दो साल के बस्पष्ट कर द यह धारणा बन गई थी कि सरकार मेहनत कर रही है। अब यह दिखने लगा है कि सरकार काम कर रही है और जनता व देश की भलाई ही एकमात्र मंशा है।

गोवा : कांग्रेस में बगावत, विश्वजीत राणे ने पार्टी छोड़ी

पणजी

गोवा विधानसभा में शक्ति परीक्षण से अनुपस्थित रहने वाले कांग्रेस विधायक विश्वजीत राणे ने गुरुवार को बागी तेवर अपना लिया। राणे ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। राणे ने कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। राणे ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी से कोई जवाब नहीं मिला और उनसे कोई उम्मीद नहीं है।

राणे ने कहा, मैं राहुल गांधी पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। मेरे जैसा नेता देश भर में कांग्रेस को छोड़ना शुरू कर देंगे क्योंकि पर्यवेक्षक के रूप में जो यहां नेता आते हैं, वे स्थिति का आकलन

करने में सक्षम नहीं होते। मैंने बहुत भारी हृदय से कांग्रेस सदस्य पद से इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देकर मुझे बुरा लगा।

गौरतलब है कि मनोहर पर्रिकर सरकार ने गुरुवार को 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा में 22 विधायकों के समर्थन के साथ सदन में बहुमत साबित कर दिया। विपक्षी कांग्रेस पर्रिकर सरकार के खिलाफ महज 16 मत ही जुटा पाई, इस दौरान पार्टी के विश्वजीत राणे इस बेहद अहम शक्ति परीक्षण के दौरान अनुपस्थित रहे। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद शक्ति परीक्षण करवाने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया था।

समझा जाता है कि कांग्रेस नेतृत्व विधानसभा चुनावों के बाद उपजे हालात को संभालने में नाकाम रहा और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद सत्ता से दूर होना कांग्रेस विधायकों को अखरने लगा है। विधायकों को पर्यवेक्षकों और पार्टी आलाकमान से उम्मीद थी कि वे हालात को संभाल लेंगे, लेकिन दोनों से उन्हें मायूसी हाथ लगी।

चुनावी नतीजों से डरा चीन, कहा- भारत के लिए ठीक लेकिन हमारे लिए मुसीबत

बीजिंग

चीन के सरकारी मीडिया ने गुरुवार को टिप्पणी की है कि हाल में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा की धमाकेदार जीत का असर चीन भारत के रिश्तों पर पड़ेगा क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सख्त रवैये को प्रोत्साहित करेगा और चीन जैसे देशों के साथ समझौते के लिए दिक्कतें पेश करेगा।

कम्युनिस्टि पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) द्वारा संचालित ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि मोदी की अगुवाई वाली भारतीय जनता पार्टी ने हाल में सबसे ज्यादा आबादी वाले उत्तरप्रदेश में जीत हासिल की है और कई अन्य प्रमुख राज्य चुनावों में भी अच्छा समर्थन हासिल किया है। चुनाव के बाद

चीन के सरकारी मीडिया ने पहली बार टिप्पणी की है।

लेख कहता है कि नतीजे न केवल 2019 में होने वाले भारत के आम चुनावों में मोदी की जीतने की संभावना को बढ़ाते हैं बल्कि कई तो यह अनुमान जता चुके हैं कि उन्हें दूसरा कार्यकाल मिलना पहले से ही तय है। उसमें कहा गया है बीजिंग-नई दिल्ली के रिश्तों के हाल में जटिल और नाजुक दौर में प्रवेश करने के बाद विशेषज्ञों ने मोदी के सत्ता पर पकड़ मजबूत होने के बाद से इस बात पर बारीक नजर रखना शुरू कर दी कि द्विपक्षीय संबंध कैसे विकसित होंगे। मोदी को काम करने वाले व्यक्ति और कड़ा रुख रखने वाली शख्सित के तौर पर बताते हुए लेख ने कहा कि उनके द्वारा भारत की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नीतियां बदलाव के दौर से गुजरी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में उन्होंने किसी को नाराज नहीं करने की भारत की नीति को बदला है। लेख में कहा गया है कि मोदी का कड़ा रुख घरेलू नीतियों और कूटनीति दोनों पर दिखा है। घरेलू स्तर पर जैसे उच्च मूल्य वाले नोटों को बंद करना है। लेख कहता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने भारत का किसी को कभी नाराज नहीं करने का पहले के रवैये को बदला है और अपने हितों को अधिकतम करने के लिए अन्य देशों के साथ विवादों पर स्पष्ट रुख अपनाना शुरू कर दिया।